परिचय प्रेम जनमेजय

जन्म : 18 मार्च 1949, इलाहबाद
शिक्षा : एम ए, एम लिट्, पीएच डी

वर्तमान दौर की सर्वाधिक चर्चित व्यंग्य विधा के संवर्धन एवं सृजन के क्षेत्र में प्रेम जनमेजय का विशिष्ट स्थान है। व्यंग्य को एक गंभीर कर्म तथा सुशिक्षित मस्तिष्क के प्रयोजन की विधा मानने वाले प्रेम जनमेजय ने हिंदी व्यंग्य को सही दिशा देने में सार्थक भूमिका निभाई है। परंपरागत विषयों से हटकर प्रेम जनमेजय ने समाज में व्याप्त अर्थिक विसंगतियों तथा सांस्कृतिक प्रदूषण को चित्रित किया है । व्यंग्य के प्रति गंभीर एवं सृजनात्मक चिंतन के चलते ही उन्होंनें सन् 2004 में व्यंग्य केंद्रित पत्रिका 'व्यंग्य यात्रा' का प्रकाशन आरंभ किया। इस पत्रिका ने व्यंग्य विमर्श का मंच तैयार किया। प्रेम जनमेजय के लिखे व्यंग्य नाटकों को भी अपार ख्याति मिली है।

प्रकाशित कृतियां:

व्यंग्य संकलन –राजधानी में गंवार , बेर्शममेव जयते , पुलिस ! पुलिस ! , मैं नहीं माखन खायो आत्मा महाठगिनी , मेरी इक्यावन व्यंग्य रचनाएं , शर्म मुझको मगर क्यों आती ! डूबते सूरज का इश्क, कौन कुटिल खल कामी,मेरी इक्यावन श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएं, ज्यों ज्यों बूड़े श्याम रंग, संकलित व्यंग्य, कोई मैं झूठ बोलया, लीला चालू आहे! भ्रष्टाचार के सैनिक ।

नाटक :'प्रेम जनमेजय के दो व्यंग्य नाटक'

संस्मरणात्मक कृति : मेरे हिस्से के नरेंद्र कोहली, इर्दम् गिर्दम अहं स्मरामि।

संपादन : पिछले 14 वर्ष से प्रसिद्ध व्यंग्य पत्रिका 'व्यंग्य यात्रा' के संपादक एवं प्रकाशक। बींसवीं शताब्दी उत्कृष्ट साहित्य :व्यंग्य रचनाएं , नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित 'हिंदी हास्य व्यंग्य संकलन ' श्रीलाल शुक्ल के सहयोगी संपादक, हिंदी व्यंग्य का समकालीन परिदृश्य, मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचना ,श्रीलाल शुक्लःविचार विश्लेषण एवं जीवन , 'व्यंग्य सर्जकः नरेंद्र कोहली, 'उत्कृष्ट व्यंग्य रचनाएं', दिविक रमेशः आलोचना की दहलीज पर' ,हंसते हुए रोना', हिंदी व्यंग्य का नावक : शरद जोशी, ' खुली धूप में नाव पर – रवीन्द्रनाथ त्यागी', हिंदी व्यंग्य की धर्मिक पुस्तकः हरिशंकर परसाई, चहलकदमियां ।

सम्मान / पुरस्कार : शरद जोशी राष्ट्रीय सम्मान मध्यप्रदेश सरकार, पं0 श्रीनारायण चतुर्वेदी सम्मान उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान , हरिशंकर परसाई स्मृति पुरस्कार, दुष्यंत कुमार अलंकरण , हिंदी अकादमी साहित्यकार सम्मान दिल्ली सरकार , पं0 बृजलाल द्विवेदी साहित्यिक पत्राकारिता सम्मान, शिवकुमार शास्त्राी व्यंग्य सम्मान ,'व्यंग्यश्री सम्मान', कमला गोइन्का व्यंग्यभूषण सम्मान, आचार्य निरंजननाथ सम्मान, भारत भास्कर शिखर सम्मान, 'नई धरा' रचना सम्मान, हिन्दी निधि तथा भारतीय विद्या संस्थान, त्रिनिडाड एवं टुबैगो आदि।

संपर्क : 73 साक्षर अपार्टमेंट्स ए–3 पश्चिम विहार नई दिल्ली –110063

ई मेल : premjanmejai@gmail.com